MSK 001

परास्नातक कार्यक्रम

एम.ए. संस्कृत ऑनलाइन कार्यक्रम

(MSKOL)

सत्रीय कार्य

(जुलाई 2023 एवं जनवरी 2024 सत्रों के लिए)

स्नातकोत्तर पूर्वार्द्ध

MSK 001 सस्कृत साहित्यशास्त्र एवं साहित्य

(प्रथम वर्ष)

मानविकी विद्यापीठ

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय

मैदान गढ़ी, नई दिल्ली – 110068

परास्नातक कार्यक्रम

सत्रीय कार्य 2023–2024

एम.ए संस्कृत ऑनलाइन कार्यक्रम (MSKOL)

MSK 001 सस्कृत साहित्यशास्त्र एवं साहित्य

स्नातकोत्तर पूर्वार्द्ध

(प्रथम वर्ष)

सत्रीय कार्य– जुलाई 2023 एवं जनवरी 2024 सत्रों के लिए

पाठ्यक्रम कोड : MSK-001/2023&24

प्रिय छात्र/छात्राओं,

यह सत्रीय कार्य शिक्षक जाँच सत्रीय कार्य (ज्ड।) है। सत्रीय कार्य के लिए 100 अंक निर्धारित किए गए हैं। सत्रीय कार्य में पूरे पाठ्यक्रम से प्रश्न पूछे जाएँगे।

उद्देश्य : शिक्षक जाँच सत्रीय कार्य का उद्देश्य यह जाँचना है कि आपने पाठ्य सामग्री को कितना समझा है और आप उसे अपने शब्दों में कैसे प्रस्तुत कर सकते हैं। यहाँ पाठ्य सामग्री की पुनर्प्रस्तुति से तात्पर्य नहीं है वरन् अध्ययन के दौरान जो कुछ सीखा और समझा है उसे आप आलोचनात्मक ढंग से प्रस्तुत कर सकें। निर्देश :– सत्रीय कार्य आरम्भ करने से पूर्व निम्नलिखित बातों को ध्यान से पढ़िए :

1) अपनी उत्तर पुस्तिकाओं के पहले पृष्ठ के दायें सिरे पर अनुक्रमांक, नाम, पूरा पता और दिनांक लिखिए।

2) बाईं ओर पाठ्यक्रम का शीर्षक, सत्रीय कार्य संख्या और अपने अध्ययन केन्द्र का उल्लेख करें जैसा आगे दिखाया गया है :

अनुक्रमांक : .... नाम : ....

.... पता : ....

....

पाठ्यक्रम का नाम/कोड : .... सत्रीय कार्य

कोड : .... अध्ययन केन्द्र का नाम/कोड : ....

....

दिनांक : ....

सत्रीय कार्य के लिए आवश्यक निर्देश

1- अध्ययन : सबसे पहले सत्रीय कार्य को ध्यान से पढ़िए। फिर इससे संबंधित इकाइयों का सावधानीपूर्वक अध्ययन कीजिए। अंत में प्रत्येक प्रश्न के संबंध में कुछ खास बातें नोट कर लीजिए और उन्हें तार्किक ढगं से व्यवस्थित कीजिए।

2- अभ्यास : उत्तर का प्रारूप तैयार करने से पूर्व नोट की गई बातों पर विचार कीजिए। अनावश्यक बातों को हटा दीजिए और प्रत्येक बिंदु पर विस्तार से विचार कीजिए। निबंधात्मक या टिप्पणीपरक प्रश्नों में आरंभ और उपसंहार पर विशेष ध्यान दीजिए। उत्तर के आरंभिक अंश में प्रश्न की संक्षिप्त व्याख्या और अपने उत्तर की दिशा का संकेत अवश्य दे देना चाहिए। मध्य भाग में आप उत्तर का मुख्य भाग आवश्यक विस्तार के साथ क्रमबद्धता और तार्किक ढंग से प्रस्तुत करें। उपसंहार में उत्तर का सार देना चाहिए। यह सुनिश्चित कर लीजिए कि : क) आपका उत्तर तार्किक और सुसंगत हो,

ख) उत्तर सही ढंग से लिखा गया हो तथा आपकी अभिव्यक्ति शैली और प्रस्तुति के पूर्णतया अनुकूल हो,

ग) आपके लेखन में भाषागत त्रुटियाँ न हों, विशेष रूप से मात्रा और व्याकरण संबंधी गलतियों से बचें।

3- प्रस्तुति : जब आप अपने उत्तर से पूर्णतया संतुष्ट हो जाएँ तो उसे साफ और सुंदर अक्षरों में उत्तर पुस्तिका में लिख लीजिए तथा जिन बातों पर आप जोर देना चाहते हैं, उन्हें रेखांकित कर दीजिए।

शुभकामनाओं के साथ।

नोट : याद रखें कि परीक्षा में बैठने से पूर्व सत्रीय कार्य जमा कराना अनिवार्य है अन्यथा आपको परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

सत्रीय कार्य जमा कराने की तिथियाँ

जुलाई 2023 सत्र के लिए 31 मार्च 2024

जनवरी 2024 सत्र के लिए 30 सितंबर 2024

सत्रीय कार्य

जुलाई 2023 एवं जनवरी 2024 सत्रों के लिए

MSK 001 **सस्कृत साहित्यशास्त्र एवं साहित्य**

पाठ्यक्रम कोड – MSK 001

पाठ्यक्रम शीर्षक– सस्कृत साहित्यशास्त्र एवं साहित्य

प्र. 1.किन्हीं आठ प्रश्नों के उत्तर दीजिए– 08×10=80

क. प्रमुख संस्कृत महाकाव्यों पर लेख लिखिए ।

ख. साहित्यदर्पण के अनुसार काव्य प्रयोजन व काव्य लक्षण पर प्रकाश डालिए ।

ग. नायिका स्वरूप और नायिका भेद पर लेख लिखिए ।

घ. रूपक और उसके दशविध भेद पर प्रकाश डालिए।

ड. मृच्छकटिकम् की कथावस्तु और भाषा शैली को उदाहरण की सहायता से स्पष्ट कीजिए।

च. मेघदूत में प्रतिपादित की प्रकृति वर्णन की व्याख्या कीजिए ।

छ. संस्कृत के प्रमुख ऐतिहासिक काव्य पर लेख लिखिए ।

ज. नीतिकथाओं में व्याप्त शिक्षाओं पर विस्तार से लेख लिखिए ।

झ. नीतिशतक में व्याप्त समाज पर गहन प्रकाश डालिए।

प्र. 2 निम्नलिखित का सन्दर्भ सहित अनुवाद लिखिए – 2×10=20

क. तुलनं चाद्रिराजस्य समुद्रस्य च तारणम् ।
ग्रहणं चानिलस्येव चारूदत्तस्य दूषणम् ।।

ख. तां चावश्यं दिवसगणनातत्परामेकपत्नी
मव्यापन्नामविहतगतिर्द्रक्ष्यसि भ्रातृजायाम्।
आशाबन्धः कुसुमसदृशं प्रायशो ह्यड.गनानां
सद्यः पाति प्रणयि हृदयं विप्रयोगे रूणद्धि।।